ECONOMIC TIMES N. D.
26/4/2018

कीमतें कम होने से घट सकता है रबड़ का उत्पादन

[कृष्णकुमार पीके | कोच्चि]

रबड़ की आवक के कमजोर सीजन में कीमतें कम रहने और मूल्य समर्थन योजना के तहत भुगतान मिलने में देरी से बारिश के मौसम के दौरान रबड़ की टैपिंग में कमी की जा सकती है। टैपिंग रबड़ के पेड़ से लेटेक्स निकालने की प्रक्रिया को कहते हैं। रबड़ की कीमत बुधवार को 119 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20 पर्सेंट कम है। आमतौर पर गर्मी के महीनों में टैपिंग रुकने पर कीमतें बढ़ जाती हैं। मई के अंत में बारिश के साथ टैपिंग की दोबारा शुरुआत होती है।

रबड़ के डीलर, जॉर्ज वैली ने बताया, 'यह इम्पोर्ट के असर का संकेत है। 2017-18 में इम्पोर्ट लगभग 4.70 लाख टन के साथ अभी तक के उच्च स्तर पर हो सकता है। टैपिंग नहीं होने के समय कीमतें गिरने का कोई और कारण नहीं है।' टायर इंडस्ट्री विदेश से अधिकतर क्रंब रबड़ का इम्पोर्ट कर रही है जिसका प्राइस करीब 92 रुपये प्रति किलोग्राम है। एक महीना पहले रबड़ का इंटरनेशनल प्राइस देश में कीमतों से 10 रुपये कम था, लेकिन अब यह अंतर घटकर 4 रुपये का रह गया है। रबड़ का इंटरनेशनल प्राइस अब करीब 4 पर्सेंट बढ़कर 115 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है, जबकि देश में इसकी कीमत 3 पर्सेंट घटी है।

रबड़ का सबसे अधिक 4.58 लाख टन का इम्पोर्ट 2015-16 में हुआ था, तब इसका उत्पादन गिरकर 5.62 लाख टन रह गया था। 2017-18 में देश में इसका उत्पादन लगभग 7 लाख टन होने का अनुमान है। रबड़ बोर्ड ने टैपिंग घटने के कारण उत्पादन का लक्ष्य 8 लाख टन से घटाकर 7.30 लाख टन कर दिया था। केरल सरकार की ओर से घोषित मूल्य समर्थन योजना के तहत बकाया रकम के भुगतान में देरी से रबड़ के छोटे किसानों को मुश्किल हो रही है। एक अधिकारी ने बताया, 'पिछली जुलाई से बिलों का लगभग 78 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है। मार्च से भुगतान रुक गया है। अभी तक लगभग 90 करोड़ रुपये दिए गए हैं।' इस योजना में बाजार कीमत के साथ अंतर का भुगतान करने के जरिए छोटे किसानों को रबड़ के लिए 150 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत देने का वादा किया गया था। इस योजना की अवधि जुलाई से जून की है और किसानों को यह सुनिश्चित नहीं है कि यह जून के बाद बढ़ाई जाएगी या नहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मई कॉन्ट्रैक्ट की डिलीवरी के लिए रबड़ का फ्यूचर्स प्राइस करीब 120 रुपये प्रति किलोग्राम पर है।